

冬景色

本調子

上	○	合	四	上	中	尺	工	五	○	工	尺	中	上	○	○	中	上	四	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

○	乙	合	中	○	上	四	老	四	○	○	四	中	工	工	○	尺	中	上	○	中
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

さぎりきゆるみな

上	老	合	○	○	合	老	上	中	○	上	四	中	○	上	四	老	四	○	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

とえの ふねにしろしあ さのしも

上	○	合	四	上	中	尺	工	五	○	工	尺	中	上	○	○	中	上	四	合
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

た だ みずどりの こ えはして いまださ

○	乙	合	中	○	上	四	老	四	○	○	中	上	四	合	○	上	四
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

めずきしのいえ

老	四	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○	○
---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---	---

一、さ霧（ぎり）消ゆる湊江（みなとえ）の

舟に白し、朝の霜。
ただ水鳥の声はして
いまだ覚（さ）めず、岸の家。

二、鳥（からす）啼（な）きて木に高く
人は畑（はた）に麦を踏む。
げに小春日（こはるび）ののどけし
や。
かえり咲（ざき）の花も見ゆ。

三、嵐（あらし）吹きて雲は落ち、
時雨（しぐれ）降りて日は暮れぬ。
若（も）し燈火（ともしび）の漏（も）れ来ずば、
それと分かじ、野辺（のべ）の里。